Title: Request for action against Shara India to refund money invested by Poor People.

श्री राम कृपाल यादव (पाटलिपुत्र): माननीय सभापति महोदय, मैं एक अत्यन्त लोक महत्व के विषय पर सदन और सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ।

देश में लाखों ऐसे गरीब और मजदूर लोग हैं, जो मजदूरी करके अपनी रोजी-रोटी कमाते हैं। सहारा इंडिया में बिहार समेत पूरे देश के लोगों ने पैसे जमा किए। मैं समझता हूँ कि आज यह मामला सुप्रीम कोर्ट और सेबी के स्तर पर है और लगातार प्रयास के बाद भी लोग इस समस्या से उबर नहीं पा रहे हैं। इस मामले को गोल-गोल घुमाया जा रहा है। कभी सुप्रीम कोर्ट के पास मामला जाता है, कभी सेबी के पास जाता है। इसकी वजह से, पिछले दस वर्षों से इसका कोई समाधान नहीं निकला है। चिन्ता की बात यह है कि तमाम मेहनतकश लोगों ने मजदूरी करके, मेहनत करके अपने पसीने की कमाई सहारा इंडिया में जमा की थी। लेकिन अभी तक सहारा इंडिया के द्वारा पैसे नहीं लौटाए गए हैं, जिसकी वजह से, बहुत-से लोगों को अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

मेरे संसदीय क्षेत्र में, ऐसा कोई दिन नहीं है कि जो लोग सहारा इंडिया में पैसे जमा किए हैं, वे लोग आकर गुहार नहीं लगाते हैं कि डीएम साहब को कह दीजिए ताकि मेरा पैसा निकल जाए। मैं यह पूरे देश की बात कह रहा हूँ। सिर्फ बिहार की ही बात नहीं है, बल्कि उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश का भी यह मामला है। गरीब लोगों के पास बेटी की शादी करने के लिए, वृद्धजन की दवाई के लिए पैसे का अभाव है। उन लोगों ने सपने संजोकर रखे थे। आज वे आत्महत्या करने को मजबूर हैं।

मैं आपके माध्यम से, उन गरीबों के लिए आग्रह करूँगा, जो अपनी बेटी की शादी नहीं कर पा रहे हैं, जो मकान नहीं बना पा रहे हैं, जिन्होंने पाई-पाई जमा करके सहारा इंडिया में जमा करने का काम किया और आज अपने पैसों को प्राप्त करने के लिए दर-दर की ठोकरें खा रहे हैं। जमीन पर स्थिति बहुत गंभीर है, लोगों में आक्रोश है। मैं सदन के और आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूँ कि सहारा इंडिया में फंसे हुए गरीब लोगों के पैसों को लौटाने की कार्रवाई की जाए।

सेबी ने जो पैसा जब्त किया है, उस जब्त किए हुए पैसे को गरीबों के बीच बांटकर उन्हें सहारा देने का काम किया जाए। यह बहुत ही अत्यंत गंभीर मामला है, जिसकी ओर मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट करवाना चाहूंगा। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।